प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 8 (2019–20)

हिन्दी–ब (कोड–85)

कक्षा–9

निर्धारित समय– 3 घंटे अधिकतम अंक– 80

सामान्य निर्देशः–

1. इस प्रश्न–पत्र में चार खंड हैं– क, ख, ग और घ।
2. सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

खण्ड–क (अपठित अंश) 15

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** 9

महात्मा गाँधी अपना काम अपने हाथ से करने पर बल देते थे। वे प्रत्येक आश्रमवासी से आशा करते थे कि वह अपने शरीर से संबंधित प्रत्येक कार्य, सफाई तक स्वयं करेगा। उनका कहना था कि जो श्रम नहीं करता है, वह पाप करता है और पाप का अन्न खाता है। ऋषि–मुनियों ने कहा है– बिना श्रम किए जो भोजन करता है, वह वस्तुतः चोर है। महात्मा गाँधी का समस्त जीवन–दर्शन श्रम सापेक्ष था। उनका समस्त अर्थशास्त्र यही बताता था कि प्रत्येक उपभोक्ता को उत्पादनकर्ता होना चाहिए। उनकी नीतियों की उपेक्षा करने के परिणाम हम आज भी भोग रहे हैं। न गरीबी कम होने में आती है, न बेरोजगारी पर नियंत्रण हो पा रहा है और न अपराधों की वृद्धि हमारे वश की बात हो रही है। दक्षिण कोरिया वासियों ने श्रमदान करके ऐसे श्रेष्ठ भवनों का निर्माण किया है, जिससे किसी को भी ईर्ष्या हो सकती है।

1. महात्मा गाँधी प्रत्येक आश्रमवासी से क्या आशा करते थे? क्यों? 2
2. महात्मा गाँधी जी की नीतियों की उपेक्षा करने के क्या परिणाम हो रहे हैं? 2
3. जो व्यक्ति श्रम नहीं करता है, उसे महात्मा गाँधी क्या कहते थे? 2
4. महात्मा गाँधी अपने हाथ से काम करने पर बल क्यों देते थे? 2
5. गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए। 1

2. **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** 6

जिस पर गिरकर उदर–दरी से तुमने जन्म लिया है।
जिसका खाकर अन्न, सुधा–सम नीर, भरत पिया है।
वह स्नेह की मूर्ति दयामयि माता तुल्य मही है।
उसके प्रति कर्त्तव्य तुम्हारा क्या कुछ शेष नहीं हैं?
केवल अपने लिए सोचते, मौज भरे गाते हो।
पीते, खाते, सोते, जगते, हँसते, सुख पाते हो।
जग से दूर, स्वार्थ–साधन ही सतत् तुम्हारा यश है।
सोचो, तुम्हीं, कौन अग–जग में तुमसा स्वार्थ विवश है?
पैदा कर जिस देश जाति ने तुमको पाला–पोसा।
किए हुए हैं वह जिन–हित का तुमसे बड़ा भरोसा।
उससे होना उ़ऋण प्रथम है सत्कर्त्तव्य तुम्हारा।
फिर दे सकते हो वसुधा को शेष स्वजीवन सारा।

1. कवि किसके प्रति कर्त्तव्य का पालन करने की बात कर रहे हैं? 2
2. सत्कर्त्तव्य क्या है? 2

3. आशय स्पष्ट कीजिए– 2

"पैदा कर जिस देश जाति ने तुमको पाला–पोसा।
किए हुए हैं वह निज–हित का तुमसे बड़ा भरोसा।।"

अथवा

आज मैंने
अपने हाथों काट डाला है
अपना एक हाथ
काटता नहीं तो क्या करता
मरता आखिर क्या न करता
जब तक थे
दो हाथ
तब तक था मैं बेकार
और आज
एक हाथ रहने पर
अपंगों की श्रेणी में आ गया हूँ
आरक्षित सीट का
अधिकारी बन गया हूँ।
आरक्षित सीट की क्यू
अभी तो कम लंबी है
क्यों इस मौके को हाथ से जाने देता
और दोनों हाथ रहने पर
हाथ मलता रह जाता
रास्ता तो और भी था
काश अपने को पिछड़ी जाति का
सिद्ध कर पाता
अपने प्यारे हाथ को नहीं गँवाता
किंतु.....
कहाँ तक सिद्ध कर पाता
हर सर्टिफिकेट पर छपी थी
मेरी जाति.....।

1. "काटता नहीं तो और क्या करता"– कवि की यह लाचारी क्यों है?
2. प्रस्तुत पंक्तियों में समाज की किस व्यवस्था पर व्यंग्य किया गया है?
3. हाथ काटने से अब क्या होगा?

खण्ड–ख (व्यावहारिक व्याकरण) 15

3. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए।** 2
प्रसन्नता, विभोर, बाजार।

4. 1. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित स्थान पर अनुनासिक का प्रयोग कीजिए।** 1
आख, देखूगा, बाट।
2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार का प्रयोग कीजिए। 1
आतक, कचन, सभावना।

5. **निम्नलिखित में से किन्ही दो शब्दों में उचित स्थान पर नुक्ता का प्रयोग कीजिए।** 1
सफेद, बाजार, तूफान।

6. 1. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानकर लिखिए।** 1
नेतृत्व, साप्ताहिक, घबराहट।
2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित उपसर्ग पहचानकर लिखिए। 1
प्रमुख, विहीन, प्रतिकूल।
3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में मूल शब्द के साथ जुड़े उपसर्ग और प्रत्यय को अलग कर लिखिए।1
विज्ञापित, अनिश्चितता, गैरजिम्मेदारी।

7. 1. **निम्नलिखित में से किन्हीं चार शब्दों में सही संधि-विच्छेद कीजिए।** 4
स्वाधीन, अत्यधिक, परोपकार, प्रत्येक, सदैव।
2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन वाक्यों में उचित विराम चिन्ह का प्रयोग कीजिए। 3
1. उफ आज तो बहुत गर्मी है
2. पिताजी ने कहा कार्य पूरा करने के बाद हम घूमने जाएँगे
3. विक्रमादित्य बहुत वीर साहसी और बुद्धिमान थे
4. प्रदूषण एक अभिशाप।

खण्ड-ग (पाठ्य-पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक) 25

8. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।** 5
1. बुढ़िया को कोई भी उधार क्यों नहीं देता था? 2
2. आने वाला समय किस प्रकार के धर्म को नहीं टिकने देगा? 2
3. लेखिका ने शेरपा कुली को अपना परिचय किस तरह से दिया? 1

9. **महादेव जी के लिखावट की क्या विशेषताएँ थी?** 5

अथवा

कीचड़ का रंग किन-किन लोगों को खुश करता है?

10. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।** 5
1. कवि रैदास कैसी भक्ति करना चाहता है? 2
2. सुखिया के पिता पर कौन-सा आरोप लगाकर उसे दंडित किया गया? 2
3. 'अग्निपथ' कविता के कवि कौन हैं? 1

11. **कवि रैदास अपने स्वामी के प्रति कृतज्ञता का अनुभव क्यों करता है?** 5

अथवा

'अग्निपथ' कविता का मूलभाव क्या है? स्पष्ट कीजिए।

12. **'मनुष्य का अनुमान और भावी योजनाएँ कभी-कभी कितनी मिथ्या और उल्टी निकलती है'- इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।** 3

अथवा

गिल्लू को मुक्त करने की आवश्यकता क्यों समझी गई और उसके लिए लेखिका ने क्या उपाय किया?

13. **लेखक ने परदेश के संबंध में क्या बात कही?** 2

खण्ड-घ (लेखन) 25

14. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।** 5
1. **भारत की बढ़ती जनसंख्या।**
• देश की प्रगति और जनसंख्या • हानियाँ • सुझाव।
2. **कमरतोड़ महँगाई।**
• महँगाई के कारण • समाज पर प्रभाव • व्यावहारिक समाधान।

3. बदलती जीवन शैली।
   • जीवन शैली का आशय • बदलाव कैसा • परिणाम।

15. अनजाने में हुई भूल के लिए क्षमा माँगते हुए पिताजी को पत्र लिखिए। 5

अथवा

दोस्त को उसके विवाह में सम्मिलित न हो सकने के लिए क्षमा पत्र लिखिए।

16. दिए गए चित्र का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए। 5

अथवा

17. बढ़ती महँगाई के सम्बन्ध में मित्र से हुए वार्तालाप को संवाद के रूप में लिखिए। 5

अथवा

खाद्य पदार्थों में होने वाली मिलावट के बारे में मित्र के साथ हुए वार्तालाप को संवाद के रूप में लिखिए।

18. 'शक्ति च्यवनप्राश' का विज्ञापन तैयार कीजिए। 5

अथवा

स्मार्ट एल. ई. डी. का विज्ञापन तैयार कीजिए।

WWW.CBSE.ONLINE

Download Solved Version of this solved paper from
www.cbse.online

This sample paper has been released by website www.cbse.online for the benefits of the students. This paper has been prepared by subject expert with the consultation of many other expert and p aper is fully based on the exam pattern for 2019-2020. Please note that website www.cbse.online is not affiliated to Central board of Secondary Education, Delhi in any manner. The aim of website is to provide free study material to the students.